आभार – अभिव्यक्ति

प्रस्तुत शोध प्रबंध मेरे जीवन की सबसे बडी और अहम् उपलब्धि मैं मानता हूँ। यह उपलब्धि जो शोध प्रबंध के रूप में दिखलायी पड़ रहा है इसे केवल मेरे व्यक्तिगत प्रयास से पूर्ण कर पाना मेरे लिए संभव नहीं था इसके पूर्ण होने में कई प्रबुध्द गुरूजनों के सहयोग के फलस्वरूप संभव हो सका है। खुशी के इस अवसर पर सर्वप्रथम मैं अपने सम्मानीय गुरूजन और शोध निर्देशक **डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,** समाजशास्त्र अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, के प्रति श्रद्धानवत् हूँ, जिनके कुशल निर्देशन से ही मैं शोध कार्य को पूर्ण करने में सफल हो सका, जिनका मैं सदैव ऋणी रहूँगा। प्रस्तुत शोध प्रबंध में जहाँ कहीं भी पूर्णता है वह मेरे निर्देशक डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा के हैं एवं जहाँ कहीं भी अल्पज्ञता दिखाई दे वह मेरी वास्तविक योग्यता है।

शोध कार्य की पूर्णता में पूरे तन–मन से किया गया विशेष सहयोग मेरा सम्बल बना, उनमें समाजशास्त्र अध्ययनशाला के **डॉ. एन. कुजूर,** वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। समाजशास्त्र अध्ययनशाला के **डॉ. जवाहर तिवारी**, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, **डॉ. एल. एस. गजपाल**, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक एवं **डॉ. (श्रीमती) हेमलता बोरकर** वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक का भी मैं अभारी हूँ तथा डॉ. श्रीमती राजश्री चटर्जी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया ।

शोध कार्य को निरंतर गतिशील बनाए रखने के लिए मेरे श्रद्धेय अग्रज द्वय श्री व्ही.के. पुरोहित उच्च वर्ग शिक्षक, पथरला(बसना) एवं श्री डॉ. आर.के. पुरोहित, प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय बसना का जो आत्मीय सहयोग एवं शुभाशीर्वाद प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं हार्दिक अभिवादन करता हूँ। जिनके प्रेरणा एवं प्रोत्साहन से मैं इस शोध कार्य को पूरा कर सका। शोध कार्य को पूर्णता की ओर अग्रसर हेतु मेरी धर्म पत्नी श्रीमती सुधा पुरोहित, सुप्रिया, एवं स्नेहा (सुपुत्रियाँ), एवं मेरे ससुर श्री बी. एन. दलपत एवं मेरे परिवार के समस्त सदस्यों की उत्सुकता ने भी मेरे इस शोध कार्य को पूरा करने में जो सहयोग प्राप्त हुआ उनके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

सहयोग की इस कड़ी में डॉ. युगल किशोर भारती, भूतपूर्व प्राचार्य, एवं डॉ. जया ठाकुर, प्राचार्य,महाप्रभु वल्लभाचार्य शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द, एवं डी.डी दीवान, प्रशिक्षण अधिकारी, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायपुर का आभारी हूँ, जिनका मुझे असीम सहयोग प्राप्त हुआ।

मैं अपने शोध प्रबंध के टंकण कार्य हेतु श्री शेखर सिन्हा,एवं प्रशिक्षणार्थी – प्रेमलाल साहू, जानकीनाथ साहू एवं यशवंत सिंह राजपूत को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होने पूरे मनोयोग एवं अथक परिश्रम से शोध प्रबंध को टंकित किया। मैं शासकीय कोषालय महासमुन्द के उपकोषालय अधिकारी श्री के.के. दुबे का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने मुझे आवश्यक सूचनाओं के संग्रहण में सहयोग प्रदान किया।

विभागीय अनुमति देने के लिए सुश्री रंजना कटकवार, अतिरिक्त संचालक, रोजगार एवं प्रशिक्षण रायपुर, (छ.ग.) का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने मुझे इस शोध कार्य को करने हेतु अनुमति प्रदान किया। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था महासमुन्द के मेरे सहकर्मी एवं समस्त प्रशिक्षण अधिकारियों एवं कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने मुझे प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग दिया।

पेंशनर संघ महासमुंद के अध्यक्ष श्री नारायण लाल चन्द्राकर जी, पेंशनर संघ बसना के अध्यक्ष श्री वेणुधर देवता, पेंशनर श्री श्रीवत्स कर का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने पेंशनर्स के पते उपलब्ध कराने में सहयोग दिया।

अन्त में मैं अपने समस्त उत्तरदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने बड़े उत्साह एवं धर्य के साथ अपना अमूल्य समय देकर पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

(ए.के.पुरोहित)

प्रशिक्षण अधिकारी

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था,

महासमुंद